NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2019

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER II

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours 100 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

IEB Copyright © 2019

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित विषयों में सें किसी एक पर २५-३० पंक्तियों का निबन्ध लिखिए ।

१.१ वह दिन निकट आ गया . . . .

१.२ देश प्रेम

१.३ पेड़ पौधे

१.४ खुशी का दिन

१.५ निम्नलिखित चित्र पर निबन्ध लिखिए । निबन्द का उचित शीर्षक दीजिए

[Indian Cultural Pictures]

Criteria	Maximum marks	Learner's mark
Introduction: introduces topic, sets out main ideas in a logical sequence	5	
Originality: is the presentation original; ideas and opinions expressed are one's own	15	
Language usage: spelling, grammar, tenses, etc.	5	
Conclusion: summing up of the main ideas	5	
Total	30	

IEB Copyright © 2019

भाग ख

प्रश्न दो

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर लिखिए ।

२ . १ नमस्ते माँ। आपके लिए मेरे पास बड़ी खुशखबरी है। मैंने अपनी परीक्षा बहुत अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है, मुझे आपकी मदद के लिए हमेशा मा का शुक्रिया अदा करना चाहिए, जिस प्यारे भोजन को भूलकर मैं इतना उत्साहित नहीं हूं। हमें एक उत्सव की योजना बनानी चाहिए। अभी के लिए अलविदा। एक महान दिन है

२ . २ मंदिर में रोज पूजा होती है। एक दीया सुबह और शाम जलाया जाता है। आहार के चारों ओर गलियां रखी जाती हैं। फलों के मिठास वाले दूध को प्रसाद के रूप में अर्पित किया जाता है। लोग ससंघ को पकड़ने के लिए साप्ताहिक रूप से इकट्ठा होते हैं। राम नवमी शिवरात्रि जैसे त्योहारों को आयोजित किया जाता है। भजन और कीर्तन भी आयोजित किए जाते हैं मंदिर में होली जैसे त्यौहार भी हैं। समुदाय के उत्थान के लिए सिद्धांतों का भी आयोजन किया जाता है।

२ . ३ गंगा भारत की नदी है । यह हिमालय से निकलती है और बंगाल की घाटी में विसर्जित होती है । यह निरंतर प्रवाहमयी नदी है । यह पापियों का उद्धार करने वाली नदी है । भारतीय धर्मग्रंथों में इसे पवित्र नदी माना गया है और इसे माता का दर्जा दिया गया है । गंगा केवल नदी ही नहीं, एक संस्कृति है । गंगा नदी के तट पर अनेक पवित्र तीर्थों का निवास है ।गंगा को भागीरथी भी कहा जाता है । गंगा का यह नाम राजा भगीरथ के नाम पर पड़ा । कहा जाता है कि राजा भगीरथ के साठ हजार पुत्र थे । शापवश उनके सभी पुत्र भस्म हो गए थे । तब राजा ने कठोर तपस्या की । इसके फलस्वरूप गंगा शिवजी की जटा से निकलकर देवभूमि भारत पर अवतरित हुई ।इससे भगीरथ के साठ हजार पुत्रों का उद्धार हुआ । तब से लेकर गंगा अब तक न जाने कितने पापियों का उद्धार कर चुकी है । लोग यहाँ स्नान करने आते हैं । इसमें मृतकों के शव बहाए जाते हैं । इसके तट पर शवदाह के कार्यक्रम होते हैं । गंगा तट पर पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन आदि के कार्यक्रम चलते ही रहते हैं ।

IEB Copyright © 2019

२.४ मनुष्य का सबसे बड़ा कर्म मनुष्यता ही है। अगर कोई इंसान दुसरे इंसान की सहायता करके इंसानियत नहीं दिखा सकता उस इंसान की तो भगवान भी सहायता नहीं करते। जिस इंसान में इंसानियत नही उसका जीवन व्यर्थ है। अगर आप किसी जरूरतमंद इंसान की सहायता करते हो, भूखे को खाना खिलाते हो, प्यासे को पानी पिलाते हो तो आप अपना इंसानियत धर्म निभा रहे हो। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जो कि सामाज में रहता है और उसे सभी लोगों के साथ मिलजुलकर चलना पड़ता है। कोई भी कार्य मनुष्य अकेले नहीं कर सकता।

इस धरती पर अगर हर कोई इंसानियत को भूल जाएगा तो जीवन जीना बहुत ही कठिन हो जाएगा। जिस व्यक्ति में दया और इंसानियत नहीं उस मनुष्य को इंसान कहलाने का भी कोई हक नहीं है। पूरे संसार में मनुष्य एकमात्र ऐसा जीव है जो आसानी से दुसरों के दुखों को समझ सकता है और उनके दुख कम कर सकता है। हमारे चारों तरफ ना जाने कितने इंसान और पशु पक्षी है जिन्हें हमारे सहारे की जरूरत होती है। हम उन सबकी सहायता करके अपना मनुष्य धर्म निभा सकते हैं। दो वक्त का खाना और सोना तो हर कोई कर सकता है पर एक असली मनुष्य ही है जो दुसरों के हित के लिए भी कार्य करता है और कुछ ऐसे काम कर जाता है जो सदियों तक याद रखे जाते हैं।

प्राचीन समय में मानवता री भावना लोगों में आमतौर पर देखने में मिलती थी। कहा भी जाता है कि किसी के सुख में उसके साथ हो या न हो पर दुख में जरूर होना चाहिए। पहले को समय में लोग कितनी भी लड़ाई क्युँ न हो जाए पर दुख में एक साथ खड़े होते थे जो कि उनकी सच्ची मानवता की भावना को दर्शाता है। आधुनिक समय में मनुष्य एक दुसरे से ज्यादा प्रगति करने के चक्कर में स्वार्थी होता जा रहा है। किसी दुसरे मनुष्य की सहायता करना तो दुर वह अपने फायदे के लिए दुसरे मनुष्य को हानि पहुँचाने में भी संकोच नहीं करता है।

IEB Copyright © 2019

भाग ग

प्रश्न ३

३.१ Children, the word Pakshi is derived from the word paks. The meaning of the word "paksh" is wing. Because the creature has wings it is called Pakshi Pakshi, it is also called dhvij meaning two. J means to give birth. The bird is born twice. Firstly in the egg and secondly as a bird.

३.२ अंग्रेजी, स्पेनिश, चीनी और अरबी के साथ हिंदी दुनिया की "बिग फाइव" भाषाओं में से एक है। आधे से अधिक अरब लोग इसे बोलते हैं, और उनमें से लगभग आधे देशी वक्ता होते हैं, ज्यादातर उत्तरी भारत में। हिंडी भारत की कड़ी बन गई जब 1947 में अंग्रेजों को बाहर निकाल दिया गया। अंग्रेजी एक राष्ट्रीय भाषा बनी रही, लेकिन उम्मीद यह थी कि आजादी के 15 साल बाद संविधान से हटा दिया गया। आज, दोनों भारत की 23 आधिकारिक भाषाओं में से हैं। यह सिर्फ हिमशैल का शीर्ष है। इस सांस्कृतिक रूप से विविध देश में 1,600 से अधिक बोली जाने वाली भाषाओं का उपयोग किया जाता है।

३.३ ३.३.१ मैंने मिठाई नहीं खरीदी।
३.३.२ वहीं खड़े होकर मिठाइयों की सुगंध का आनंद लेने लगा ।
३.३.३ खुशबू लेना मिठाई खाने के बराबर ही है ।
३.३.४ मेरी बनाई मिठाई।

३.४ एक महिला किसान थी। वह काम कर के घर लौट रही थी।

३.५ ३.५.१ मिठाइयॉं
३.५.२ किसान

३.६ ३.६.१ १ किसान २ मिठाईवाला ३ घर
३.६.२ १ वह २ उस ३ मेरे

३.७ ३.७.१ राजेन्द्र
३.७.२ परमाणु
३.७.३ उमेश

Total: 100 marks

IEB Copyright © 2019